तापमान
अधिकतम 32 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त 2025

09 आपातकालीन कक्ष में चला विशेष सफाई अभियान, मरीजों की सेवा में दिखा समर्पण

10 सोनीपत में झमाझम बारिश से बिगड़े हालात, ड्रेनेज सिस्टम फेल

खबर संक्षेप

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

खरखौदा। हलालपुर मार्ग पर बाइक की टक्कर लगने से एक महिला की मौत हो गई। महिला के पति राहुल पासवान ने बताया कि सुबह उसे सूचना मिली कि उसकी पत्नी काजल कुमारी को बाइक ने टक्कर मार दी। वह मौके पर पहुंचा और उसे घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल ले गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बैंयापुर खुर्द में युवक ने फंदा लगाकर दी जान

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव बैंयापुर खुर्द निवासी सागर (25) गाड़ी चालक था। जानकारी मिली है कि उसके ताऊ का देंहात बीमारी के चलते दो अगस्त को हो गया था। जिसके चलते वह परेशान चल रहा था। उसने फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेत से सोलर पंप का कंट्रोलर चोरी

खरखौदा। फरमाना गांव में एक खेत में लगे सोलर पंप से चोरों ने पंप का कंट्रोलर चोरी कर लिया है। मनजीत ने बताया कि उसने अपने खेत में साढ़े सात हॉर्स पावर का सोलर पंप लगाया हुआ है। जब वह खेत में गया तो उसने देखा कि सोलर पंप पर लगा कंट्रोलर नहीं है। चोरों ने सोलर पंप पर लगे कंट्रोलर को चोरी कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने चलाया सघन तलाशी एवं सत्यापन अभियान

जिले में 1286 संदिग्धों की हुई जांच 427 किरायेदारों का किया सत्यापन

थाना शहर, सदर, सेक्टर-27, सिविल लाइन, गोहाना खरखौदा क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने चलाया विशेष जांच अभियान

सोनीपत।

गोहाना।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के उद्देश्य से सोनीपत पुलिस ने शनिवार सुबह एक विशेष तलाशी एवं सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस की तरफ से रविवार सुबह 5 बजे से 10 बजे तक तीनों पुलिस जोनों में एकसाथ चलाया गया। अभियान के तहत पुलिस ने कुल 1286 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की, जबकि 427 बाहरी व्यक्तियों व किरायेदारों का पहचान सत्यापन किया गया। अभियान की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की गई, और यह शांतिपूर्ण व प्रभावशाली ढंग से संपन्न हुआ।

पूर्वी जोन में रही सख्ती

थाना कुंडली, राई, बहालगढ़, मुरथल, गन्नौर और बड़ी क्षेत्र में कुल 645 संदिग्धों की जांच और 244 बाहरी व्यक्तियों/किरायेदारों का सत्यापन किया गया। अभियान विशेष रूप से उन क्षेत्रों में केंद्रित था जहां असामाजिक गतिविधियों की संभावना अधिक रहती है। पुलिस ने कॉलोनियों, रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और संदिग्धों से पूछताछ की। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि उन्हें किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी हो तो तुरंत नजदीकी थाना या 112 नंबर पर सूचित करें। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रकार के अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, जिससे अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि वे कानून की पकड़ से बच नहीं सकते।

किस थाने में क्या स्थिति

- कुण्डली: 68 जांच, 17 सत्यापन
- राई: 47 जांच, 12 सत्यापन
- बहालगढ़: 250 जांच, 60 सत्यापन
- मुरथल: 38 जांच, 12 सत्यापन
- गन्नौर: 32 जांच, 77 सत्यापन
- बड़ी: 210 जांच, 66 सत्यापन
- थाना शहर: 30 जांच, 18 सत्यापन
- सदर सोनीपत: 127 जांच, 7 सत्यापन
- सेक्टर-27: 50 जांच, 20 सत्यापन
- सिविल लाइन: 150 जांच, 20 सत्यापन
- खरखौदा: 103 जांच, 21 सत्यापन
- शहर गोहाना: 67 जांच, 72 सत्यापन
- सदर गोहाना: 64 जांच, 12 सत्यापन
- बरोदा: 12 जांच, 25 सत्यापन
- मोहाना: 38 जांच, 8 सत्यापन

होटलों, ढाबों और सार्वजनिक स्थानों का किया निरीक्षण

गोहाना। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) गोहाना राहुल देव के नेतृत्व में थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम द्वारा शहर के प्रमुख क्षेत्रों पुरानी सब्जी मंडी, पानीपत चुंगी और विष्णु नगर में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सर्च अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाना, जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना था। पुलिस ने अभियान के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की, होटलों, ढाबों व सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण किया तथा आमजन को सतर्क रहने एवं असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। एसीपी राहुल देव ने बताया कि ऐसे अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि गोहाना क्षेत्र को सुरक्षित व शांतिपूर्ण बनाया जा सके। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस हर समय जनता की सेवा और सुरक्षा को तत्पर है।

स्वतंत्रता दिवसः सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, पुलिस का पैदल मार्च

गन्नौर। स्वतंत्रता दिवस पर सुरक्षा व कानून व्यवस्था को लेकर और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। थाना बड़ी पुलिस ने शनिवार देर रात को रेलवे रोड क्षेत्र में पैदल मार्च निकाला। थाना प्रभारी महेश कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों की टीम ने मुख्य बाजार, रेलवे रोड और अन्य संवेदनशील इलाकों में गश्त की। पैदल मार्च के दौरान पुलिस ने स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों से संवाद किया। उन्हें सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति की तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए कहा गया। थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्र में शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी

तरह मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने यह भी अपील की कि यदि किसी को कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या डायल 112 पर जानकारी दें।

दिल्ली पुलिसः 30 लाख की रिश्वत का मामला

इंस्पेक्टर का रिमांड 3 दिन बढ़ा निजी स्कूल क्लर्क को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- इंस्पेक्टर सुनील जैन का पहले मिला था एक दिन का रिमांड।
- प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ दर्ज दो मामलों से निकालने का 70 लाख में किया था सौदा
- इंस्पेक्टर ने अपने भाई के स्कूल में काम करने वाले क्लर्क को भेजा था रिश्वत के 30 लाख रुपये लेने

दिल्ली के अलीपुर थाने में दर्ज दो मामलों में धारा हटाने और मुकदमा निरस्त करने के नाम पर 30 लाख रुपये लेने के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने आरोपित स्कूल क्लर्क और दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर को काबू कर अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था। रिमांड अवधि पूरी होने पर दोनों को अदालत में पेश किया। जहां से क्लर्क को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जबकि इंस्पेक्टर की रिमांड अवधि तीन दिन बढ़ाई गई है। एसीबी की टीम ने स्कूल क्लर्क को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। आरोपित इंस्पेक्टर को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। एसीबी टीम आरोपित इंस्पेक्टर से पूछताछ की जा रही है।

बड़वासनी गांव के विपिन ने दी थी शिकायत

एसीबी की इंस्पेक्टर प्रमिला ने बताया कि गांव बड़वासनी के विपिन ने उन्हें शिकायत दी थी कि उनके रिश्तेदार दिल्ली के नरेला के प्रवीन लाकड़ा प्रापर्टी डीलर हैं। उनका नरेला के ही प्रवीन गुप्ता से विवाद चल रहा है। प्रवीन गुप्ता ने उनके रिश्तेदार प्रवीन लाकड़ा के खिलाफ जबरन रुपये मांगने व मारपीट के दो मुकदमे दर्ज करा रखे हैं। दोनों मामलों की जांच अब अलीपुर थाना से दिल्ली की डिवीजनल इंटेलीजेंस यूनिट में तैनात इंस्पेक्टर सुनील जैन के पास थी। आरोप है कि सुनील जैन ने वर्ष 2024 में दर्ज जबरन रुपये मांगने के मामले में धारा हटाने व 2025 में दर्ज मारपीट के मामले को रद करने के लिए एक करोड़ की मांग की थी। दोनों के बीच बाद में 70 लाख रुपये में सौदा हुआ था। विपिन ने बताया कि 30 लाख लेकर सोनीपत के गांव जाहरी के पास स्कूल में बुलाया गया। शुक्रवार शाम को रिश्वत के 30 लाख लेकर विपिन स्कूल में आया व संदीप को इंस्पेक्टर सुनील जैन के नाम पर रिश्वत के 30 लाख दिए गए।

कट्टे में रखी नकदी के साथ पकड़ा था क्लर्क

एसीबी की इंस्पेक्टर प्रमिला की टीम ने संदीप को रंगेहाथ गिरफ्तार कर कट्टे में भरी रिश्वत की राशि बरामद कर ली थी। आरोपित इंस्पेक्टर सुनील जैन को एसीबी की दूसरी टीम रोहतक एसीबी के डीएसपी रोहतक सोमबीर के नेतृत्व में दिल्ली से गिरफ्तार कर लाई थी। अब दोनों को एक दिन के रिमांड पर लिया गया था। रिमांड अवधि पूरी होने पर दोनों को रविवार को अदालत में पेश किया। अदालत ने क्लर्क को न्यायिक हिरासत में जेल व इंस्पेटर की तीन दिन रिमांड अवधि को बढ़ाया गया है।

एक्सीडेंट कर की थी हत्या, रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

पिता ने दोस्त पर जताया संदेह, जांच में पाया सही

एक व्यक्ति को जानबूझकर गाड़ी से टक्कर मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। जिसकी पहचान विकास निवासी दुबलधन माजरा झज्जर के रूप में हुई है।

गत 25 जुलाई को फूल कंवर पुत्र मांगे राम निवासी गांव थाना कलां सोनीपत ने थाना खरखौदा में शिकायत दी कि उसका बेटा सांवत कुमार 24 जुलाई की रात सड़क हादसे में घायल हो गया था। परिजन नागरिक खरखौदा पहुंचे, परंतु उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जाँच करने पर पता चला कि थार सवार सावंत की स्कूटी को पीछे से टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पहले इतफाकन हादसे की कार्रवाई की।

फूल कंवर ने एक अनुपूरक शिकायत में संदेह जताया कि उनके बेटे की मौत दुर्घटना नहीं, बल्कि जानबूझकर की गई हत्या है। उनके पोते के दोस्त विकास ने ही थार गाड़ी से टक्कर मारकर सांवत की हत्या की है। पुलिस ने जांच की तो पिता द्वारा एक्सीडेंट की आड़ में की गई हत्या की बात सही निकली। जिस पर पुलिस ने पहले से दर्ज केस में हत्या की धारा 103 जोड़ दी। जांचा अधिकारी एएसआई अशोक ने टीम के साथ आरोपी विकास को गिरफ्तार कर अदालत से तीन दिन के रिमांड पर लिया। ताकि हत्या के कारणों का पता लगाया जा सके।

श्रमिक से छीना मोबाइल, विरोध करने पर ईंट से किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- निफ्टम चौक के पास बाइक सवार 3 युवकों ने की वारदात

कुंडली में बाइक सवार तीन युवकों ने श्रमिक से मोबाइल छीन लिया। विरोध करने पर सिर में ईंट मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। यूपी के जिला सीतापुर के गांव शिवराह निवासी आनंद ने बताया कि वह प्रेम कॉलोनी कुंडली में रहते हैं। वह अपने साथी वंश के साथ कुंडली में निफ्टम चौक की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक आए और उन पर हमला कर दिया। इसी दौरान दो युवकों ने उनका मोबाइल छीन लिया। उनके दोस्त सड़क पर गिर गए। आरोपित अपने एक दोस्त को आदित्य के नाम से बुला रहे थे। आरोपित उन्हें जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एक माह पहले दूसरे धर्म की युवती से की थी लव मैरिज अब फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

एक माह पहले दूसरे धर्म की युवती के साथ प्रेम विवाह करने वाले गांव बैंयापुर निवासी 21 वर्षीय युवक ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना के बाद एसएफएल की टीम के साथ पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल से सबूत जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

मृतक के पिता राजूदीन ने बताया कि उसका बेटा मनीष (21) निजी कार्य करता था। उसने करीब एक माह पहले ही प्रेम विवाह किया था। दूसरे धर्म में प्रेम विवाह करने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं थी। लेकिन बेटा मानसिक परेशान चल रहा था। मानसिक परेशानी के चलते उसने फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सदर थाना पुलिस सोनीपत ने भारतीय न्याय संहिता की धारा-194 के तहत कार्यवाही अमल में लाते हुए शव को परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस का कहना है कि युवक ने एक माह पहले दूसरे धर्म की युवती से प्रेम विवाह किया था। परिजनों को फिलहाल किसी पर कोई शक नहीं है, फिर भी पुलिस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले में कार्रवई करेगी।

जोगेंद्र व मनमोहन थाइलैंड में होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

जोगेंद्र नरवाल।

मनमोहन।

जिला सोनीपत के दो शिक्षक बैंकाक (थाइलैंड) में सम्मानित होंगे। दोनों को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर राह ग्रुप फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल रोड मॉडल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। दोनों शिक्षकों को यह अवार्ड शिक्षा व सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जाएगा।

गांव रिंढाणा स्थित माता शीतला वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के निदेशक व प्राचार्य जोगेंद्र नरवाल व दीप स्कॉलर्स पब्लिक सकूल कथूरा के प्राचार्य मनमोहन का चयन ग्लोबल रोड मॉडल अवार्ड के लिए किया गया है। संस्था के चेयरमैन नरेश

- अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर राह ग्रुप का बैंकाक में होगा कार्यक्रम।

सेलपाड़ के अनुसार अवार्ड के लिए चयनित शिक्षक बैंकाक की सांस्कृतिक व सामाजिक गतिविधियों में भी भाग ले सकेंगे। उनके अनुसार इस अवार्ड के लिए लगभग 2216 अध्यापकों व अन्य क्षेत्रों की गणमान्य लोगों ने आवेदन किया था। इनमें से 51 शिक्षकों सहित अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले गणमान्य व्यक्तियों का चयन किया गया है।

पुरखास रोड पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट, प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गांव में पुरखास रोड पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा लगभग 10 वर्ष पहले लगाए गए स्ट्रीट लाइट सिस्टम को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। लाखों रुपये खर्च कर लगाई गई ये लाइटें एक दिन भी चालू नहीं हुईं, जिससे जनता के पैसे का दुरुपयोग हुआ है। कई लाइटें और पोल अब टूट चुके हैं, जबकि प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की सुध नहीं ली गई है।

शनिवार को जिला पार्षद संजय बड़वासनिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से सवाल किया कि जब लाइटें चालू नहीं करनी थीं तो इन्हें लगाया ही क्यों गया। उन्होंने कहा कि ये लाइटें अब सफेद हाथी की तरह खड़ी हैं और जनता के पैसों की बर्बादी का प्रतीक बन चुकी हैं। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने प्रशासन से दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की लापरवाही से यह स्थिति उत्पन्न हुई है, उनसे आर्थिक रिकवरी की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं और जनता की समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान संदीप, प्रदीप, राजेश, कुलदीप, सुरेश सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में छात्र प्रेरणा कार्यक्रम का दूसरा दिन

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित हो विवि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

डॉ. बीआर अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में छात्र प्रेरणा कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रुप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह ने शिरकत की और दीप प्रज्वलन करते हुए कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। कुलपति ने अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो.देवेंद्र सिंह ने कहा कि कार्यक्रम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उपयुक्त माहौल व पठन पाठन के लिए सभी जरूरी सुख-सुविधायें प्रदान करने के लिए बनाई गयी है। क्योंकि किसी भी देश का भविष्य उस देश के बच्चे और नवयुवा ही होते हैं।

मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह ने छात्रों को संबोधित करते हुएं कहां सीखने की प्रक्रिया न केवल नए कानूनों को बनाना, बल्कि पुराने कानूनों से निपटने में भी जारी रहेगी। कानून स्थिर नहीं है, यह हमेशा नए चरण में विकसित होता रहता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने सभी को अपने अधिकारों के अलावा, हमें अपने कर्तव्यों के महत्व पर ज़ोर देने के लिए छात्रों को प्रेरित किया।

व्यवहारिक पहलू अहम

राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायधीश सुदेश बांसल ने छात्रों को संबोधित करते हुएं कहां दीक्षारम्भ का अर्थ केवल प्रेरणा ही नहीं, बल्कि जागृति भी है। विधि में व्यावहारिक पहलू अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जिनका अनुभव न्यायालयीन अभ्यासों को देखकर होगा। विधि विश्वविद्यालय का मूलमंत्र है अपने ज्ञान को बढ़ाना।

एक देश, एक संविधान

सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, महानिर्देशक, आई.आई.पी.ए. ने कहां इस देश में केवल एक ही संविधान की आवश्यकता है। इस राष्ट्र को विकसित करने के लिए हमें न्यायालय की न्याय प्रक्रिया को और गति देनी होगी।

हर दिन नया सीखेंगे

न्यायाधीश राजेंद्र मेनन, डॉ. न्यायमूर्ति विद्युत रंजन सारंगी, सदस्य एन.एच.आर.सी.न्याय व्यवस्था में आपको संयम बनाना बहुत जरूरी है। कानून के क्षेत्र में प्रत्येक दिन आपको कुछ नया सीखने का अवसर मिलता रहेगा। इस अवसर पर विधि विश्वविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ. बलबिन्द्र कौर, मुख्य विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा जायसवाल, कुलपति के निजी सचिव राजेश कुमार, डॉ. सुखविन्द्र सिंह, डॉ. अमित गुलेरिया, डॉ. सुन्दर सिंह, डॉ. संजय सिंह, डॉ. कुलवंत सिंह, डॉ. मधुकर शर्मा, डॉ. नवनीत कृष्णा मौजूद रहे।

ड्रेनेज सिस्टम फेल, हालात हुए खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में रविवार को हुई तेज बारिश ने नगर निगम की निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। सुबह हल्की बूंदाबांदी और दोपहर की उमस के बाद शाम सवा छह बजे अचानक शुरू हुई मूसलधार बारिश से शहर की सड़कों और गलियों में जलभराव हो गया। कई जगहों पर पानी की गहराई डेढ़ फुट तक पहुंच गई, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बारिश के बाद गीता भवन चौक, ककरोई चौक, बहालगढ़ रोड, कामी रोड, गोहाना रोड, वैक्सन कॉलोनी, औद्योगिक क्षेत्र, मॉडल टाउन, पुरखास रोड, सेक्टर-14 और 15 सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी रही। ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण बारिश के पानी की निकासी नहीं हो सकी और यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई। मुख्य सड़कों पर जाम लग गया, कुछ वाहन पानी में बंद हो गए। पुलिस को वाहन हटवाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। नगरवासियों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हर साल मानसून में ऐसी स्थिति बन जाती है, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं किया जाता।

किसानों के चेहरे खिले खरीफ फसलों को लाभ

बारिश ने जहां शहरवासियों को मुसीबत में डाला, वहीं किसानों के लिए यह राहत लेकर आई। खरीफ सीजन की धान, ज्वार, बाजरा व हरे चारे की फसलों को अच्छा फायदा पहुंचा है। लंबे समय से बारिश की प्रतीक्षा कर रहे किसानों के लिए यह मौसम अनुकूल साबित हो रहा है। साथ ही सिंचाई पर आने वाला खर्च भी कम हो गया है।

शहर में जलभराव की समस्या ने एक बार फिर मानसून से निपटने की प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत है कि संबंधित विभाग समय रहते ठोस कदम उठाएं ताकि आमजन को राहत मिल सके।

किसान रहें सचेत

कृषि विभाग ने कपास और सब्जी उत्पादक किसानों को सचेत किया है कि खेतों में पानी जमा न होने दें। सब्जी उत्पादकों को बारिश से नुकसान हुआ है, इसलिए खेतों में जलनिकासी की उचित व्यवस्था करना जरूरी है।

दो दिन और बारिश के आसार

मौसम वैज्ञानिक डॉ. प्रेमदीप (केवीके, सोनीपत) के अनुसार, जिले में मानसून सक्रिय है और आगामी दो दिन तक बारिश की संभावना बनी हुई है। रविवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रैशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.....अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं । हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है । शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपजदा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी । बड़ा परिवार था । सब भाई बहन खाना खा रहे थे ।खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की । बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी । बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे । शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे । उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी । उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर । कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर । शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी । बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती । शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं । शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

कविता पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।
मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।
मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।
अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।
अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।
विलय करो सब न्यून अहम् ।
योगः कर्मसु कौशलम् ।।

कविता सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

मैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

मैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बहीं जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक :जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याएँ जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ५री सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

पीपल, नीम, जामुन और पापड़ी के 39 पौधे रोपे

सोनीपत। सावन के पावन महीने में भक्ति, सेवा और सामाजिक समर्पण का प्रतीक बन चुका देशी घी के घेवर का विराट भंडारा सोमवार को शिव मंदिर, सेक्टर-27 में अपार श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन के सूत्रधार समाजसेवी भाई मोनू पंडित राठधाना ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सेवा ही सच्ची भक्ति है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं, साधु-संतों, योगियों और स्थानीय नागरिकों ने आयोजन में भाग लिया। पारंपरिक देशी घी के घेवर का भोग और भंडारा सभी के आकर्षण का केंद्र बना, जिसने प्रेम, समर्पण और सेवा की सच्ची भावना को साकार किया। भंडारे में कई राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक हस्तियों ने भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

खरखौदा। नशा मुक्त यात्रा निकालते गुरुकुल के छात्र

गुरुकुल बरोणा ने रोहणा में निकाली नशा मुक्त यात्रा

खरखौदा। नशा मुक्ति अभियान के तहत आर्य मनीष दहिया की अगुआई में गांव रोहणा नशा मुक्त यात्रा का आयोजन किया गया । यात्रा का मुख्य प्रयोजन समाज में बढ़ते नशे के खिलाफ समाज के लोगों को जागरूक करना था। इस यात्रा में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर नशे के खिलाफ नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक करने का काम किया। यात्रा के दौरान लोगों को नशे के खिलाफ इश्तहार भी बांटे गए। यात्रा में रोहणा गांव के बच्चों ने भी सम्मिलित होकर नशे से दूर रहने का संकल्प लिया।

आर्य स्कूल मदीना में हुई पीटीएम

महम। आर्य स्कूल मदीना में शिक्षक अभिभावक मीटिंग आयोजित की गई। इस दौरान अभिभावकों ने बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट देखी। बच्चों की प्रगति रिपोर्ट को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच चर्चा हुई। इस दौरान शैक्षिक और व्यावहारिक विकास पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर बच्चों को इकाई परीक्षा दो का परीक्षा परिणाम वितरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अनुशासन का भी विशेष महत्व है। सभा में उपस्थित सभी अभिभावकों और शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करने का संकल्प लिया। विद्यालय ने सभी अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

निरंकारी महिला संत समागम सम्पन्न

कलानौर। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से रविवार को टिकाणा सति भाई साईं दास महाराज, कलानौर में भिवानी ज़ोन का निरंकारी महिला संत समागम सफलतापूर्वक एवं भावपूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ। इसमें भिवानी ज़ोन की सभी शाखाओं – रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी, हिसार आदि से हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समागम की अध्यक्षता परम बहन सविता सोनी (दिल्ली) ने की।

श्री दुर्गा भवन मंदिर से पैदल ध्वजा यात्रा 9 को

रोहतक। शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से 9 अगस्त को सुबह 8:30 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिए रवाना होगी। यह जानकारी श्री बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी रोहतक एवं भक्तजनों द्वारा दुर्गा भवन मंदिर से सुबह 8:30 बजे यात्रा शुरू होगी। श्री बालाजी धाम डोभ के लिए चलती हैं। जांच शिविर व कढ़ी चावल भंडारा लगाया जाता हैं।

मरीजों की सेवा में दिखा स्वास्थ्य सफाई कर्मचारियों का समर्पण

नागरिक अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में चला विशेष सफाई अभियान

अभियान का मुख्य उद्देश्य अस्पताल परिसर, विशेष रूप से आपातकालीन कक्ष, को स्वच्छ बनाना था

सोनीपत। कक्ष में सफाई करते हुए कर्मचारी व ब्लड केंद्र में लगी मरीजों की लाइन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में रविवार को एक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य अस्पताल परिसर, विशेष रूप से आपातकालीन कक्ष, को स्वच्छ एवं रोगमुक्त बनाए रखना था। अस्पताल प्रशासन द्वारा इस अभियान को गंभीरता से लेते हुए सभी संबंधित विभागों को इसमें सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए गए थे। कर्मचारियों ने सुबह से सफाई अभियान की शुरूआत कर कार्य को पूरा किया। इस दौरान चिकित्सक ने अस्पताल में आने वाले मरीजों को बल्ड केंद्र में बैठकर उपचार किया।

अभियान के तहत आपातकालीन कक्ष में तैनात कर्मचारियों ने पूरी तत्परता से सफाई कार्य को अंजाम दिया। कर्मचारियों ने सफाई कार्य जिसमें फर्श, दीवारें, स्ट्रेचर, व्हीलचेयर से लेकर चिकित्सा उपकरणों की भी धुलाई की गई। कर्मचारियों ने खुद को एक जिम्मेदार स्वच्छता प्रहरी के रूप में प्रस्तुत किया। इस दौरान आपातकालीन कक्षा में तैनात चिकित्सक ने ब्लड बैंक में बैठकर मरीजों को उपचार भी प्रदान किया, ताकि सफाई कार्य में बाधा न आए और मरीजों की सेवा भी सही रूप से चलती रहे। यह समर्पण चिकित्सकों और स्टाफ की मानव सेवा के प्रति निष्ठा को दर्शाता है। आपातकालीन इंचार्ज सीमा ने बताया कि सफाई बेहद आवश्यक कार्य है और समय-समय पर इसकी गुणवत्ता की समीक्षा की जाती है। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं में स्वच्छता एक आधारशिला है। हमारी कोशिश रहती है कि मरीजों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिले। अस्पताल प्रशासन ने सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रखने की बात कही। मरीजों और उनके परिजनों ने भी इस पहल की सराहना की है।

अवकाश के दिन की जाती है विशेषतौर पर सफाई

अस्पताल में कर्मचारी सफाई को लेकर विशेष ध्यान रखते है। समय-समय पर सफाई अभियान चलाया जाता है। जो रूटीन में काम नहीं होता उसे अवकाश के दिन में किया जाता है। ताकि अस्पताल में आने वाले मरीज व अन्य को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

डा. संदीप लठवाल, मीडिया नोडल अधिकारी नागरिक अस्पताल

सोनीपत। बच्चों के साथ जन्मदिन बनाते हुए अनिशा। फोटो : हरिभूमि

बधिर बच्चों के बीच मनाया बीबीए छात्रा अनिशा शर्मा ने जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिंदल यूनिवर्सिटी में बीबीए की पढ़ाई कर रही अनिशा शर्मा ने अपने जन्मदिन को खास अंदाज में मनाकर मिसाल पेश की। 2 अगस्त 2025 को अनिशा ने अपना जन्मदिन सोनीपत स्थित बधिर बच्चों के स्कूल में बच्चों के साथ मनाया। अनिशा, जो कि डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर पवन शर्मा की सुपुत्री हैं, ने बताया कि इन विशेष बच्चों के साथ जन्मदिन मनाकर उन्हें आत्मिक संतुष्टि और खुशी की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसे बच्चों के साथ समय बिताकर उन्हें अपनत्व का एहसास कराना चाहिए। कार्यक्रम में सेफ इंडिया फाउंडेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संस्था के प्रधान संजय सिंगला और चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि स्कूल की रसोई और बच्चों की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा की जाती है। इस अवसर पर स्कूल की एक अन्य छात्रा का जन्मदिन भी मनाया गया। डिप्टी डायरेक्टर पवन शर्मा ने छात्रा को 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया और घोषणा की कि उनका परिवार हर महीने के अंतिम रविवार को बधिर बच्चों का सामूहिक जन्मदिन मनाएगा और उस दिन का भोजन भी वे उपलब्ध कराएंगे।

कार्यक्रम के अंत में सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रकल्प इंचार्ज अविनाश सेठी ने आमजन से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों के जन्मदिन या अन्य खुशी के अवसर इन विशेष बच्चों के साथ मनाएं, ताकि ये बच्चे खुद को अकेला महसूस न करें।

मेगा स्वास्थ्य जांच कैंप का 227 मरीजों ने उठाया लाभ, दी दवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कैंप में रक्तदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सेफ इंडिया फाउंडेशन व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई, महिला व युवा जिला इकाई, श्री श्याम बाला जी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ़ सोनीपत एक्सीलेंस, सशक्त महिला संगठन, हमारा परिवार मातृशक्ति इकाई सोनीपत, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भण्डार द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल मुरथल अड्डा सोनीपत मे आयोजित 29वें मेगा स्वास्थ्य जाँच कैंप का 227 मरीजों ने लाभ लिया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाई के त्यागी ने बताया कि हर महीने के पहले रविवार को यह कैंप लगता है ताकि जरूरतमंद लोग अपना इलाज करवा सके। युवा प्रधान सी ए अनुज मंगला ने बताया कि इस बार एलिम्को आसरा के परवीन लांबा और निशा द्वारा 60 वर्ष से अधिक बुजुर्गों के लिए आज 52 व्यक्तियों कान की मशीन, गले का पट्टा, घुटने की बेल्ट, कमर की बेल्ट, डोगा, छड़ी, वाकर, शुगर व बवासीर के मरीज के लिए गद्दी व्हील चेयर कम्बोड व्हील चेयर व अन्य उपकरणों के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया है जिन्हें बाद में तारीख बता कर उपकरण दे दिए जाएंगे ओर लाईफ केयर ट्री के डॉक्टर हिमांशु गोयल, फिजिशियन, डॉक्टर सौम्या गोयल, चर्मरोग विशेषज्ञ ने भी मरीजों की जाँच की। प्रधान अनिल सभी रक्तदाताओं का आभार जताया।

कॉमरेड शिवदास घोष की पुण्यतिथि 10 को

गन्नौर। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी के संस्थापक महासचिव कॉमरेड शिवदास घोष की 49वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्मृति सभा 10 अगस्त को छोटूराम धर्मशाला सोनीपत में आयोजित होगी।

कामरेड ईश्वर सिंह राठी ने रविवार को गांव राजलू गढ़ी में कॉमरेड शिवदास घोष की 49वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए लोगों से पहुंचने की अपील की । राठी ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता, विचारक और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। स्मृति सभा का उद्देश्य कॉमरेड शिवदास घोष के विचारों और संघर्षों को याद करना, जन-आंदोलनों के प्रति उनके योगदान को समझना और वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में उनके विचारों को आगे बढ़ाना है। मुख्य वक्ता कॉमरेड अरुण कुमार सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य, एसयूसीआई , कॉमरेड राजेन्द्र सिंह, राज्य सचिव होंगे।

शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड पदाधिकारियों की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मौजूद पदाधिकारी।

शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड द्वारा कुरुक्षेत्र में विशाल रैली की तैयारी को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी 28 सितंबर को कुरुक्षेत्र में प्रस्तावित रैली को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। यह रैली शहीद भगत सिंह जी की जयंती के अवसर पर आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, सामाजिक एकता और जन-जागरण को बढ़ावा देना है। बैठक में संगठन के जिला पलवल के पदाधिकारियों ने भाग लिया जिसमें धीरज कुमार, दीपक रावत, हेमंत हिन्दू, नरसिंह चौहान, अशोक सहरावत, भूपेंद्र सौरौत बंचारी व जिला अध्यक्ष दीपक तेवतिया उपस्थित रहे। रैली की तैयारियों, जनसंपर्क अभियान, तथा प्रशासनिक समन्वय से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

सभी कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर रैली का संदेश पहुँचाने और युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने का आह्वान किया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्रिगेड के संयोजक करतार पहलवान ने की और उन्होंने कहा कि 28 सितंबर को कुरुक्षेत्र की धरती से युवाओं को एक नई ऊर्जा, नई सोच और नया संकल्प लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया जाएगा। अंत में रैली को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों ने एकजुट होकर कार्य करने की शपथ ली।

गोहाना। शहीद उधम सिंह और मुंशी प्रेमचंद को याद करते हुए शिक्षक।

शहीद उधम सिंह व मुंशी प्रेमचंद को किया नमन

गोहाना। शहर के छोटू राम चौक पर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया का 25वां स्थापना दिवस मनाया गया। समारोह साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद व शहीद उधम सिंह को किया याद। शहीद उधम सिंह की शहादत के 85 साल बाद और प्रेमचंद जयंती के 145 साल बाद उनके सपनों के लक्ष्यों तक पहुंचने की पड़ताल के रूप में एसटीएफआई की रजत जयंती पर इन दोनों महापुरुषों को नमन किया गया। आज का दिवस। समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नरेंद्र चहल ने की एवं संचालन अध्यापक संघ के जिला कोषाध्यक्ष रोहतास गंगाना ने किया। मुख्य वक्ता संगठन के राज्य उप महासचिव कृष्ण नैन रहे। प्रेमचंद के जीवन व उपलब्धियों पर मास्टर रोहताश गंगाना एवं शहीद उधम सिंह के जीवन पर दिनेश छिक्कारा ने विचार व्यक्त किए। समारोह में राजेंद्र शर्मा, कप्तान, नरेंद्र, सुरेंद्र पाल, रामकुमार, खंड मुंडलाना प्रधान रविंद्र कौशिक, वीरेंद्र सिंह, खंड सोनीपत प्रधान ऋषिकेश, राज्य सचिव जोगिंदर सिंह, दिनेश,नरेश, राजेश ढुग्गल, हंसराज, जगमोहन व जगत सिंह सहित अन्य अध्यापकगण उपस्थित रहे।

मां रक्तवाहिनी संस्था के सानिध्य में रक्तदान शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। रक्तदान शिविर के दौरान मौजूद लोग। फोटो : हरिभूमि

रविवार को माँ भारती रक्तवाहिनी संस्था के सानिध्य में राई के सरकारी स्कूल में जरूरतमंदों के लिए भाई सुनील त्यागी द्वारा अपने पिता स्वर्गीय गंगा राम त्यागी की पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। माँ भारती रक्तवाहिनी का ये 207 वाँ रक्तदान शिविर था। इस रक्तदान शिविर में रक्त संकलन के लिए नागरिक हॉस्पिटल की टीम डॉक्टर प्रिया के नेतृत्व में पहुंची और रक्तदान की सभी गतिविधियों को सम्पूर्ण करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। रक्तदान शिविर में कुल 91 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। सभी रक्तवीरों को इस नेक और पुण्य कार्य के लिए संस्था और राई के समस्त ग्रामवासी नमन करते हैं। रक्तदान शिविर में गाँव कंवाली से किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप पाराशर अपनी पूरी टीम के साथ पहुंचे और रक्तवीरों का हौसला बढ़ाया और साथ में वायरल ताऊ सतीश राठधना ने भी अपना 71 वाँ रक्तदान जरूरतमंदों को समर्पित किया। राठधना से संस्था के पूर्व प्रधान रविन्द्र शर्मा जी और पूर्व उपाध्यक्ष कर्मबीर नंबरदार के साथ बारह गाँव की सरोहा खाप के प्रधान सतीश सरोहा और खेवड़ा से प्रधान संजय अंतिल ,राजेंद्र गौतम ने शिरकत की।

गन्नौर। नव नियुक्त प्रधान रणधीर भोरिया का स्वागत करते हुए समिति के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संत गुरु रविदास सेवा समिति गन्नौर की कार्यकारिणी का गठन, रणधीर सिंह भौरिया बने अध्यक्ष

गन्नौर। संत गुरु रविदास सेवा समिति गन्नौर की नई कार्यकारिणी का गठन नगर पालिका रोड स्थित रविदास मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक जिले सिंह मसानिया एवं चुनाव अधिकारी सुरेन्द्र सिंह की देखरेख में किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष रणधीर सिंह भौरिया, उपाध्यक्ष श्याम लाल पवार, महासचिव अजय सभरवाल, कोषाध्यक्ष फूल कुमार कटारिया, सचिव ऋषि राजचौहान को बनाया गया है । कार्यकारिणी सदस्य हवा सिंह, सुशील कुमार, राजेश कुमार ,विनोद सरोहा,हवा सिंह रंगा , विजय कुमार को बनाया गया। नवनियुक्त प्रधान रणधीर भोरिया ने कहा कि मंदिर समिति द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंप गई है उसका वह ईमानदारी से निर्वाण करते हुए समिति को आगे बढ़ने का काम करेंगे । इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ व विशिष्ट सदस्य गण राखेराम मसानिया ,रघुनाथ, पूर्व प्रधान दयानंद अहलावत ,कर्मवीर भाटिया, महेंद्र सिंह, नरेश कटारिया, रामकुमार चोपड़ा, आदि लोग मौजूद थे।

देशी घी के घेवर का विराट भंडारा: भक्ति, सेवा और संस्कृति का अनुपम संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। भंडारे के दौरान मौजूद लोग। फोटो : हरिभूमि

सावन के पावन महीने में भक्ति, सेवा और सामाजिक समर्पण का प्रतीक बन चुका देशी घी के घेवर का विराट भंडारा सोमवार को शिव मंदिर, सेक्टर-27 में अपार श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन के सूत्रधार समाजसेवी भाई मोनू पंडित राठधाना ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि सेवा ही सच्ची भक्ति है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं, साधु-संतों, योगियों और स्थानीय नागरिकों ने आयोजन में भाग लिया। पारंपरिक देशी घी के घेवर का भोग और भंडारा सभी के आकर्षण का केंद्र बना, जिसने प्रेम, समर्पण और सेवा की सच्ची भावना को साकार किया। भंडारे में कई राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक हस्तियों ने भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में हरियाणवी सांस्कृतिक विरासत की भी मनोहारी झलक देखने को मिली। सुप्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं सेवा की भावना का एक और अद्भुत उदाहरण उस समय देखने को मिला जब भाई मोनू पंडित राठधाना द्वारा 11,000 पक्षियों के लिए घोंसले (रैन बसेरे) वितरित किए गए। यह कार्य पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता की मिसाल बना।

सोनीपत जिले के कुल 311 तालाबों को कार्य योजना में लिया गया

डीसीआरयूएसटी देगा राज्य के जलाशय एवं जोहड़ के उत्थान में योगदान : कुलगुरु प्रो.सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। पटका पहनाकर स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलगुरु प्रो. प्रकाश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक कार्यों व राज्य की भौतिक संरचना करने के लिए अपनी उच्च तकनीकी दक्षता एवं कौशल के आधार पर योगदान प्रदान करने के लिए प्रयासरत एवं प्रतिबद्ध रहता है। इसी श्रृंखला में इस बार विश्वविद्यालय राज्य के जलाशय एवं जोहड़ के उत्थान, उनके संरक्षण, नियोजन एवं संबंधित विकास कार्यों में हरियाणा तालाब प्राधिकरण के साथ मिलकर एक योजनाबद्ध व पूर्ण समन्वय के साथ योगदान प्रदान करेगा। इसी संबंध में तालाब प्राधिकरण के प्रमुख सलाहकार श्री प्रभाकर कुमार वर्मा को विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया। यहां विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रकाश सिंह कि अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट, आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट, एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट का तालाब प्राधिकरण के साथ समन्वय कि रूपरेखा तैयार की गई। तालाब प्राधिकरण के प्रमुख सलाहकार श्री प्रभाकर कुमार वर्मा ने इस वार्ता के दौरान बताया कि वर्तमान में हरियाणा तालाब प्राधिकरण के पीडीएमएस पर दर्ज 19871 तालाबों में से 11022 प्रदूषित तालाब है तथा इनमे से 6542 तालाबों को 2025-26 के वार्षिक कार्य योजना में लिया गया है जिसमें से सोनीपत जिले के कुल 311 तालाबों को कार्य योजना में लिया गया है जिनमें से 29 तालाबों का कार्य पूर्ण हो गया है 5 तालाबों पर कार्य प्रगति में है तथा बाकी के तालाबों के लिए योजना की जा रही है।

खबर संक्षेप

जीवन का सबसे अनमोल उपहार मित्र : भंवरा

गोहाना। पुराना बस अड्डा गोहाना स्थित सत नगर में रविवार को राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने किया। मुख्य वक्ता रोहतक से अखिल भारतीय विश्वकर्मा सेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभान भंवरा ने कहा राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमारे जीवन में दोस्ती के महत्व को याद दिलाता है।

जिला गोहाना भाजपा में हुई नई नियुक्तियां

गोहाना। जिला गोहाना भाजपा के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली से विचार विमर्श करके नई नियुक्तियां की। इन नियुक्तियों में गांव रिंढाणा निवासी अशोक सेन को भाजपा कथूरा मंडल अध्यक्ष और आहुलाना निवासी सत्यवान आर्य को जिला गोहाना का कार्यालय सह सचिव नियुक्त किया है।

स्तोत्र गायन प्रतियोगिता में हासिल की जीत

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन के विद्यार्थियों ने भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित स्तोत्र गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने न केवल अपनी मधुर वाणी से मंत्रमुग्ध किया।

जजपा के अध्यक्ष पवन भाजपा में शामिल

गोहाना। जननायक जनता पार्टी के बरोदा हलका अध्यक्ष पवन शर्मा ने अपने साथियों सहित रविवार को भाजपा का दाम थाम लिया। पवन शर्मा द्वारा भाजपा में शामिल होना जजपा को किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

सोनीपत में झमाझम बारिश से बिगड़े हालात, किसानों को राहत लेकिन आमजन परेशान

ड्रेनेज सिस्टम फेल, सड़कों पर डेढ़ फुट तक भरा पानी

नगर निगम की निकासी व्यवस्था की खुली पोल, यातायात व्यवस्था भी चरमराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में रविवार को हुई तेज बारिश ने नगर निगम की निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। सुबह हल्की बूंदाबांदी और दोपहर की उमस के बाद शाम सवा छह बजे अचानक शुरू हुई मूसलधार बारिश से शहर की सड़कों और गलियों में जलभराव हो गया। कई जगहों पर पानी की गहराई डेढ़ फुट तक पहुंच गई, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बारिश के बाद गीता भवन चौक, ककरोई चौक, बहालगढ़ रोड, कामी रोड, गोहाना रोड, वैक्सन कॉलोनी, औद्योगिक क्षेत्र, मॉडल टाउन, पुरखास रोड, सेक्टर-14 और 15 सहित कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी रही। ड्रेनेज सिस्टम फेल होने के कारण बारिश के पानी की निकासी नहीं हो सकी और यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई। मुख्य सड़कों पर जाम लग गया, कुछ वाहन पानी में बंद हो गए। पुलिस को वाहन हटवाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। नगरवासियों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि हर साल मानसून में ऐसी स्थिति बन जाती है, लेकिन समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता।

दो दिन और रहेंगे बारिश के आसार

मौसम वैज्ञानिक डॉ. प्रेमदीप (केवीके, सोनीपत) के अनुसार, जिले में मानसून सक्रिय है और आगामी दो दिन तक बारिश की संभावना बनी हुई है। रविवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में जलभराव की समस्या ने एक बार फिर मानसून से निपटने की प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत है कि संबंधित विभाग समय रहते ठोस कदम उठाएं ताकि आमजन को राहत मिल सके।

सब्जी उत्पादकों को हुआ नुकसान

बारिश ने जहां शहरवासियों को मुसीबत में डाला, वहीं किसानों के लिए यह राहत लेकर आई। खरीफ सीजन की धान, ज्वार, बाजरा व हरे चारे की फसलों को अच्छा फायदा पहुंचा है। लंबे समय से बारिश की प्रतीक्षा कर रहे किसानों के लिए यह मौसम अनुकूल साबित हो रहा है। सब्जी उत्पादकों को बारिश से नुकसान हुआ है, इसलिए खेतों में जलनिकासी की उचित व्यवस्था करना जरूरी है।

अंडर ब्रिज के नीचे भरा कीचड़, चालक गिरकर हो रहे घायल

- सालों से चली आ रही समस्या का नहीं हो पा रहा समाधान, मार्केट छोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट होने पर मजबूर दुकानदार
- बारिश के दिनों में पांच से आठ दिनों तक भरा रहता है दूषित पानी, पानी निकलने के बाद कीचड़ से निकले की देनी होती है परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। अड़र ब्रिज की रास्ते पर भरा कीचड़ और कीचड़ के चलते पलटी रिक्शा व उसे सीधी करने में मदद करते हुए दुकानदार।

शहर के सारंग रोड व गोहाना रोड को जोड़ने वाले रेलवे अंडर ब्रिज के नीचे सीवर को दूषित पानी व कीचड़ की समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो पा रहा है। अंडर ब्रिज के साथ लगती कर्ण सिंह मार्केट के दुकानदारों को मजबूरन दुकानों को खाली करके दूसरी जगह पर शिफ्ट होने पर मजबूर होना पड़ रहा है। जिला प्रशासन इस संबंध में कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। दो दिन से ब्रिज के नीचे दूषित पानी व कीचड़ जमा रहता है। बारिश के दिनों में पांच से आठ दिनों तक दूषित पानी भरा रहता है। वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे है। समस्या गंभीर होने के बावजूद स्थाई समाधान नहीं निकाला जा रहा है।

बता दें कि शहर में सारंग रोड से होते हुए गोहाना रोड पर जाने के लिए दिल्ली-अंबाला रेल मार्ग पर अंडर ब्रिज बना रखा है। जिसमें से हर रोज हजारों की संख्या में दो-पहिया वाहन चालकों सहित स्कूल के बच्चों की गाड़ियों व पैदल चालक रास्ते से होकर गुजरते है। गोहाना रोड पर बनी मार्केट में दुकानदारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। दिन भर इंतजार करने के बाद एक या दो ग्राहक ही दुकान पर आते है। हालांकि जिस दिन अंडरब्रिज के नीचे पानी जमा हो जाता है। उस दिन खाली बैठकर अपना समय बिताना पड़ता है। आस पास के रिहायशी क्षेत्र व दुकानों में बीमारियां तक फैलने का खतरा बना रहता है।

समय पर नहीं हो रहा कूड़े का उठान

रेलवे लाइन अंडर ब्रिज के दोनों तरफ कूड़े का डंप सफाई कर्मचारियों द्वारा बना रखा है। शहर में कूड़ा उठाने वाली कंपनी के कारिंदें दूषित पानी भरने के कारण कूड़े का उठान नहीं कर पाते है। वहीं दुकानदारों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी घर-घर से कूड़ा उठाकर दुकानों के बाहर गली में डालकर चले जाते है। किसी से कुछ बोलने पर लड़ने लगते है। कूड़े से दिन भर बदबू आती रहती है। एक तरफ अंडर ब्रिज के नीचे सीवर को दूषित पानी तो दूसरी तरफ कूड़े की बदबू ने परेशान कर रखा है।

पांच दिन से नहीं ले रहा कोई सुध

मार्केट के दुकानदार अमित, दीपक, दहिया ने बताया कि सीवर का दूषित पानी पांच दिन से भरा हुआ था। दूषित पानी कम हुआ तो कीचड़ से वाहनों को निकलने के लिए परीक्षा देनी पड़ रही है। वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे है। इस संबंध में निगम अधिकारियों से लेकर मेयर व विधायक से गुहार लगा चुके है, लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं किया जा रहा है।

विलासिता में नहीं बल्कि सादगी में ही आत्मिक शांति : मेयर राजीव

- सावन जोत महोत्सव की दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए मैयर।

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने सावन जोत महोत्सव की बधाई देते हुए हनुमान स्वरूप महाराज जी एवं श्रद्धालुओं संग स्वयं भगवान शिव एवं मोक्षदायिनी मां गंगा का दुग्धाभिषेक किया और कहां कि भगवान शिव हमें सिखाते हैं कि विलासिता में नहीं बल्कि सादगी में ही आत्मिक शांति है। हरिद्वार में सावन जोत महोत्सव के दूसरे दिन राजीव जैन ने कई धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए कहा कि श्रावण मास में शिवलिंग पर जल चढ़ाना जितना पुष्यदायी है उतना ही जरूरी है अपने आचरण में शिव के गुणों को उतारना हमने अपने भीतर के अहंकार ईर्ष्या, क्रोध और आलस को त्याग कर शिव की तरह सहिष्णु, सरल और समदर्शी बनना चाहिए। दोपहर बाद रामपूरा फूल, आनंद भवन, पवन धाम और मायादेवी मंदिर से जोत को प्रवाहित करने के लिए शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। राजीव जैन ने जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी राजेश्वरानंद महाराज से आशीर्वाद लिया और धर्म चर्चा की। कार्यक्रम में गौरव भोला, प्रधान भारत भूषण, ओम प्रकाश नारंग, वेद, गुलशन अनेजा आदि मौजूद रहे।

खरखौदा विस देवीलाल के प्रभाव वाला क्षेत्र : चौटाला

- इनेलो नेत्री सुनैना चौटाला ने 20 गांवों का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सुनैना चौटाला

इनेलो नेत्री सुनैना चौटाला रविवार को खरखौदा विधानसभा क्षेत्र के गांव खांडा, सिलाना, सिसाना, झरोठ, रोहट, फरमाना, नक़लोई सहित 20 गांवों के दौरे पर पहुंची। इनेलो महिला प्रदेश प्रभारी सुनैना चौटाला ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि खरखौदा विधानसभा क्षेत्र किसी अन्य नेता का गढ़ नहीं हो सकता। यह क्षेत्र ताऊ देवीलाल के प्रभाव वाला क्षेत्र था और रहेगा। आगामी 11 अगस्त को अभय सिंह चौटाला इस क्षेत्र के लोगों से संवाद करने पहुंचेंगे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा दोनों बाप बेटा बीजेपी से मिले हुए हैं। इसलिए नेता प्रतिपक्ष नहीं बनने दे रहे है। राहुल गांधी को इस मामले में कड़ा संज्ञान लेना चाहिए, तभी संगठन मजबूत होगा। दोनों नेता अपनी ही पार्टी को प्रदेश में नुकसान पहुंचा रहे है। प्रदेश में बढ़ते अपराध और अभय सिंह चौटाला को धमकी देने पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के बयान पर सुनैना चौटाला ने कहा कि श्याम सिंह राणा बुजुर्ग हो चुके है, उनको तकनीक का ज्ञान नहीं है। प्रदेश में कानून व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है। प्रदेश में बदमाशों का खौफ इतना बढ़ गया है कि आम जनता दुःखी हो चुकी है। प्रदेश में प्रतिदिन हत्याएं, लूटपाट, फिरौती जैसे अपराधों पर सरकार अंकुश लगाने में नाकाम रही है। अभी तो चुनाव भी बहुत दूर है। इसलिए गोपाल कांडा को ऐसे बयान देना शोभनीय नहीं है। अनिल विज के पार्टी में अनदेखी वाले बयान पर सुनैना चौटाला ने कहा कि उन्होंने पहले भी ऐसे बयान दिए हैं। उनका उनसे निवेदन है कि उनको पार्टी छोड़ देनी चाहिए। आज किसान, कर्मचारी व जनता अपनी मांगों को लेकर जमीन पर धरने प्रदर्शन कर रही है, जबकि मुख्यमंत्री हेलिकॉप्टर में है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर तनूजा कश्यप, कुणाल गहलावत, लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी अनूप दहिया, अशोक राणा, बलवान नम्बरदार, मंजीत फोगाट, भे भयराज दहिया, कृष्णा दहिया, जयसिंह रोहट, सुखबीर दहिया आदि मौजूद रहे।

कैंप में 227 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली के कार्यालय पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा के द्वारा फ्री इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का संचालन प्रदेश अध्यक्ष की धर्मपत्नी गीता बडोली के द्वारा किया गया। कैंप में मधुमेह, लीवर ,पेट संबंधित रोग, बीपी, सर्वाइकल, जोड़ों का दर्द, गुर्दे की पथरी आदि रोगों का इलाज इलेक्ट्रो होम्योपैथी दवाइयों के द्वारा इलाज किया गया। यहां पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा के डॉक्टर ने 227 मरीजों का इलाज किया व फ्री मेडिसिन वितरित की। इलेक्ट्रोहोम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा के अध्यक्ष डॉक्टर विनोद खन्नगवाल ने बताया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी दवाइयां पूर्ण हर्बल है सभी रोगों में कारगर हैं।

सोनीपत। कैंप के दौरान स्वागत करते हुए।

खरखौदा। विजेताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि

खेलो का जीवन में बड़ा महत्व : कुलदीप

खरखौदा। रोहतक मार्ग स्थित बिरला स्कूल में सीबीएसई नॉर्थ जॉन ताइक्वांडो की तीन दिवसीय प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक पवन खरखौदा के पिता आजाद सिंह व विशिष्ट अतिथि कुलदीप पहलवान थे। इस प्रतियोगिता में जम्मू कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ के 750 स्कूलों के 2700 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि आजाद सिंह व कुलदीप दहिया ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी जीवन में बड़ा महत्व है। सरकार द्वारा खेलों में उपलब्धि पाने वाले खिलाड़ियों को योजनाओं के तहत लाभ दिया जा रहा है।

रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अरडेंट के स्थापना समारोह का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मौजूद पदाधिकारी।

रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अरडेंट का भव्य स्थापना समारोह रविवार को स्थानीय गीतांजली गार्डन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब के नए अध्यक्ष रो. पुनीत और सचिव अंकुश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने औपचारिक रूप से अपने पदों का कार्यभार संभाला। मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रो. अमिता महेंद्रू ने समारोह की शोभा बढ़ाई और रोटरी क्लब की सामाजिक सेवाओं की सराहना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अन्य क्लब के पदाधिकारियों ने भी समारोह में भाग लिया और नए कार्यकारिणी दल को शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त अध्यक्ष रो. पुनीत ने अपने संबोधन में बताया कि आगामी वर्ष में क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में विभिन्न जनहितैषी कार्यक्रम संचालित करेगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि ने क्लब के नए सदस्यों को रोटरी पिन लगा कर क्लब की औपचारिक सदस्यता दिलाई। समारोह में क्लब के सदस्यों, रोटरी डिस्ट्रिक्ट के प्रतिनिधियों और शहर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन विनीत ज्योति और विपुल द्वारा किया गया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष रो. पुनीत ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संदीप, आशु नागपाल, राजेश कटारिया, प्रमोद भूटानी, सुनील,संजय अरोरा, संजय अंतिल, अतुल खट्टर, दीपक हुड्डा, विक्रम , अमरीश, हरीश आदि सहित सभी सदस्य मौजूद थे।

यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग : प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां स्थित कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए चल रहे चरित्र निर्माण एवं वैदिक चेतना शिविर में रविवार को तीसरे दिन का प्रारम्भ योग एवं प्राणायाम से हुआ। प्रातः कालीन सत्र में आयोजित हवन यज्ञ में विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने आहुति देकर छात्राओं के सफल जीवन की कामना की। प्रो. सुदेश ने कहा कि हवन एवं यज्ञ हमारी वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग रहा है। यह न केवल वातावरण को शुद्ध करता है अपितु मानसिक एवं शारीरिक शांति भी प्रदान करता है। हवन से निकलने वाली सुगंध और सकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन और आसपास के वातावरण को सकारात्मक बनाती है। मुख्य वक्ता संदीप श्रेयार्थी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में सत्कर्म करने चाहिए जिससे हमारा जीवन सफल बन सके। हमें धर्म अनुसार कर्म कर जीवों के हित में कार्य करने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या सुमिता सिंह ने की।

गोहाना। हवन में आहुति डालते महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया जोत महोत्सव, निकाली गई शोभा यात्राएं

क्षेत्रवासियों की सुःख-समृद्धि के लिए मां गंगा से की कामना

- विधायक निखिल मदान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम में शामिल होते विधायक निखिल मदान।

पवित्र श्रावण मास में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोनीपत की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा जोत महोत्सव का पर्व देव भूमि हरिद्वार में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सोनीपत से हजारों श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे और जोत महोत्सव में शामिल हुए। सोनीपत विधायक निखिल मदान ने भी इस अवसर पर शहर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा निकाली की गई शोभायात्रा में बतौर मुख्यातिथि हिस्सा लिया और सभी श्रद्धालुओं को जोत महोत्सव की शुभकामनाएं दी। विधायक निखिल मदान ने महावीर दल पंजी सोनीपत माया देवी मंदिर जूना अखाड़ा, नययुवक सेवा समिति सोनीपत लखनऊ धर्मशाला, श्री सेवा समिति महावीर दल जगन्नाथ धाम भीम गौड़ा, ओल्ड श्री बालाजी सेवा संघ आनंद आश्रम, श्री जय हनुमान सेवा समिति नंगली बेला आश्रम, हनुमान सेवा समिति, पावन धाम आश्रम, सोनीपत द्वारा देव भूमि हरिद्वार में आयोजित जोत महोत्सव के कार्यक्रमों में भाग लिया। महावीर दल पंजी सोनीपत सेवा समिति द्वारा मां माया देवी मंदिर (जूना अखाड़ा) से हर की पौड़ी तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बालाजी हनुमान के भव्य स्वरूप महाराज, भगवान शिवजी, राम दरबार और अन्य आकर्षक झांकियां शामिल रही। इस शोभायात्रा में विधायक निखिल मदान ने हर की पौड़ी तक पहुंचकर मां गंगा के चरणों में जोत को प्रवाहित किया और जीवनदायिनी, मोक्षदायिनी मां गंगा से सभी क्षेत्रवासियों की सुःख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक निखिल मदान ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित भजन कीर्तन में भी भाग लिया और हनुमान स्वरूप ,गुरुजनों, साधु संतों का आशीर्वाद भी लिया। विधायक निखिल मदान ने बताया की सावन के पवित्र महीने में जोत की परम्परा वर्षों से चली आ रही है जिसका पौराणिक महत्व है। देश की आजादी से पूर्व मुल्तान क्षेत्र जो वर्तमान में पाकिस्तान का हिस्सा है, वहां से लोग हरिद्वार तक जोत लेकर आते थे और तभी से यह परंपरा लगातार जारी है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सोहन लाल बत्रा,बी आर आहूजा,राज कुमार मदान, रोहित आहूजा, गुलशन शर्मा, भावक मदान,सुरेश भारद्वाज,पवन तनेजा, पूर्व पार्षद अशोक अरोड़ा, मदन अरोड़ा,चरणजीत सहगल,नरेंद्र भूटानी,सतीश चोपडा, राज कुमार पांचाल,मुकेश भोला ,गौरव आर्या,बलजीत शर्मा,सौरव आर्या, सागर चोपड़ा , राजकरण शर्मा,संदीप भारद्वाज, ज्योति लाकड़ा, बबलू नरेंद्र सैनी आनंद लाकड़ा, नरेंद्र सैनी, वीणा भारद्वाज, संतोष अरोड़ा, पूनम शर्मा, मुरली खतरेजा हरि कुकरेजा, रामलाल चावला, कुलदीप चुघ,राम मदान, ओमप्रकाश,मेहर चंद, मानिक, संजीव बत्रा, विकास खत्री, राहुल अरोड़ा, सी ए भूपेश खन्ना, महेश,यजुर,किशोर नारंग, अमित नारंग,पारस हसीजा आदि लोग मौजूद रहे।